Shodh Sari-An International Multidisciplinary Journal

@2024 International Council for Education Research and Training
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
ISSN: 2959-1376
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

विकासात्मक विकलांगताओं को समझना और उनका प्रबंधन करना

बेगम, शाईस्ता

प्रवक्ता इस्माईल नेशनल महिला पी0जी0 कॉलेज मेरठ

सारांश

विकासात्मक विकलांगताओं को व्यापक श्रेणी की विकलांगताओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है जो मुख्य चार क्षेत्रों के विकास को प्रभावित कर सकती है; जैसेः- शारीरिक, सीखना, व्यवहार तथा भाषा। विकास संबंधी विकलांगताओं के लक्षण बच्चों के विकास के सभी चरणों में दिखने की अधिक संभावना होती है, ये आमतौर पर किसी व्यक्ति की 22 वर्ष की आयु से पहले दिखाई देते हैं, हालांकि कुछ लक्षण जन्म से पहले भी बच्चों में मौजूद हो सकते हैं। विकासात्मक विकलांगताओं के कुछ उदाहरणों में ऑटिज्म, स्पाइना बिफिडा, डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी, रेट सिंड्रोम, भ्रूण अल्कोहल सिंड्रोम विकार, दृश्य हानि और गंभीर श्रवण हानि के साथ-साथ एडीएचडी जैसी न्यूरोडाइवर्जेट स्थितियां शामिल है। विकासात्मक विकलांगता वाले बच्चों को अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे गतिशीलता, आत्म देख-भाल, स्वतंत्र रूप से रहना, सीखना और ग्रहणशील तथा अभिव्यंजक भाषा में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। "विकासात्मक विकलांगता" शब्द व्यापक स्थितियों को शामिल करता है और इस शब्द का उपयोग विभिन्न संस्कृतियों और देशों में अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। इसलिए इसका सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि दुनिया भर में कितने बच्चों में विकासात्मक विकलांगता है। हालांकि यह अनुमान लगाया गया है कि 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कम से कम 53 मिलियन बच्चों में विकासात्मक विकलांगता है। विभिन्न प्रकार की स्थितियों को कवर करने वाली विकास संबंधी विकलांगताओं के कारण इन कारणों को इंगित करना आसान नहीं होता है। हम आमतौर पर इन कारणों को दो श्रेणियों में बांट सकते हैं। अनुवांशिक कारण और पर्यावरणीय कारण। अनुवांशिक कारण भी विकासात्मक विकलांगता का कारण बन सकते हैं। इन कारकों के लिए अनुवांशिकी माता-पिता से विरासत में मिल सकती है या वे स्वतः स्फूर्त हो सकते हैं। अनुवांशिकी के कारण होने वाले सिंड्रोम में अक्सर विशेष विशेषताएं होती हैं जैसे डाउन सिंड्रोम जो क्रोमोसोम 21 की एक अतिरिक्त प्रतिलिपि के कारण होता है। पर्यावरणीय कारकों में पोषक तत्वों की कमी, गर्भावस्था के दौरान विषाक्त पदार्थों का सेवन, आयोडीन की कमी, संक्रमण, फोलेट की कमी आदि शामिल हो सकते हैं।

@2024 International Council for Education Research and Training 2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
ISSN: 2959-1376 DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

मुख्य शब्दः- ऑटिज्म, स्पाइना बिफिडा, डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी, रेट सिंड्रोम, भ्रूण अल्कोहल सिंड्रोम विकार, न्यूरोडाइवर्जेंट स्थितियां, अभिव्यंजक भाषा, अनुवांशिक कारण, क्रोमोसोम आदि।

विकासात्मक विकलांगता का परिचयः- विकासात्मक विकलांगता दीर्घकालिक स्थितियों का एक विविध समूह है। जिसमें वयस्कता से पहले उत्पन्न होने वाली मानसिक या शारीरिक हानि शामिल होती है। विकास संबंधी विकलांगता के कारण उनके साथ रहने वाले व्यक्तियों को जीवन के कुछ क्षेत्रों में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जैसे कि भाषा, सीखना, स्वयं सहायता, गतिशीलता और स्वतंत्र जीवन। विकास संबंधी विकलांगताओं का शीघ्र पता लगाया जा सकता है यह विकलांगता जीवन भर रहती हैं। विकासात्मक विकलांगता को वैश्विक विकासात्मक देरी के नाम से भी जाना जाता है। कुछ सामान्य विकासात्मक विकलांगताएं :

1. **भ्रूण अल्कोहल स्पेक्ट्रम विकारः-** यह जन्म से पहले होने वाली स्थितियों का एक समूह है जो उस व्यक्ति में हो सकता है जिसकी माँ ने गर्भावस्था के समय शराब का सेवन किया था। 2. **डाउन सिंड्रोमः-**एक अनुवांशिक स्थिति है जिसमें लोग क्रोमोसोम 21 की एक अतिरिक्त प्रतिलिपी के साथ पैदा होते हैं। यह अतिरिक्त प्रतिलिपी शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करती है, जिससे व्यक्ति को कई तरह की शारीरिक या मानसिक हानि होती है।

3. **सीखने की कठिनाइयां:** - डिस्लेक्सिया, टॉरेट सिंड्रोम, डिस्प्रैक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्केल्कुलिया और नॉनवर्बल लर्निंग डिसऑर्डर ऐसी विकासात्मक विकलांगताएं हैं जिनके द्वारा सीखने में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं।

4. **फ्रैगाइल एक्स सिंड्रोमः-** यह पुरुषों में सबसे अधिक होता है तथा ऑटिज्म और बौद्धिक विकलांगता का कारण माना जाता है।

5. **ऑटिज्मः-** ऑटिज्म और एस्पर्जर सिंड्रोम स्थितियों की एक श्रृंखला है जिन्हें ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम विकार (पूर्व में व्यापक संबंधी विकार कहा जाता था) कहा जाता है। जो संचार में कठिनाइयों का कारण बनता है। ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम विकार भाषण, शारीरिक भाषा को समझने, सामाजिक बातचीत, व्यंग्य और दूसरों की भावनाओं जैसे क्षेत्रों में दूसरों को समझने में कठिनाई को प्रभावित करते हैं, और दोहराव वाले व्यवहार का कारण बनते हैं जिन्हें उत्तेजना के रूप में जाना जाता है।

6. **सेरेब्रल पाल्सीः-** यह विकारों का एक समूह है जो किसी व्यक्ति के चलने-फिरने, संतुलन और मुद्रा

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित करता है। ये बचपन में होने वाली सबसे सामान्य विकलांगता मानी जाती है।

7. **अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डरः**- इसका संक्षिप्त नाम ए0डी0एच0डी0 है। यह एक न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर है। इसका ध्यान, अवधि, अनुभूति, आत्म-नियंत्रण और भावनात्मक विनिमयन पर प्रभाव पड़ता है।

8. **बौद्धिक विकलांगताः**- बौद्धिक विकलांगता को 70 से कम बुद्धि-लब्धि के साथ-साथ अनुकुली कामकाज में सीमाओं और 18 वर्ष की आयु से पहले शुरू होने के रूप में परिभाषित किया जाता है। विकासात्मक विकलांगता का संक्षिप्त इतिहासः- विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को निर्णय लेने और विकास की क्षमता में अक्षमता के रूप में देखा गया है। यूरोप में ज्ञानोदय तक, परिवार और चर्च द्वारा देखभाल और शरण प्रदान की जाती थी, जिसमें भोजन, आश्रय और कपड़ों जैसी भौतिक आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। गांव के मंदबुद्धि, बेवकूफ और संभावित रूप से हानिकारक लक्षण (जैसे मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए राक्षसी कब्जा) जैसी रूढ़ियाँ सामाजिक रूप से प्रमुख थीं। 18वीं और 19वीं शताब्दी में व्यक्तिवाद की ओर आंदोलन, और औद्योगिक क्रांति द्वारा प्रदान किए गए अवसरों ने शरण मॉडल का उपयोग करके आवास और देखभाल को जन्म दिया था। इसमें विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को उनके परिवारो द्वारा रखा जाता था या हटा दिया जाता था या बड़े-बड़े संस्थानों (3000 लोगों तक) में उन्हें रखा जाता था, हालांकि कुछ संस्थान कई व्यक्तियों के लिए उनके घर थे, जैसे पेंसिल्वेनिया में फिलाडेल्फिया राज्य अस्पताल, जहां 1960 के दशक तक 7000 व्यक्तियों, जिनमें से कई निवासी श्रम के माध्यम से आत्मनिर्भर थे। इनमें से कुछ संस्थानो ने बहुत ही बुनियादी स्तर की शिक्षा प्रदान की। (जैसे कि रंगों, शब्द पहचान और संख्यात्मकता के बीच अंतर), लेकिन अधिकांश ने केवल बुनियादी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित किया। ऐसे संस्थानों में स्थितियां व्यापक रूप से अलग थी, जिसमें अपमानजनक व्यवहार और आर्थिक उत्पादकता के निम्न स्तर को समाज के लिए बोझ माना जाता था।

20वीं शताब्दी की शुरुआत में, यूजीनिक्स आंदोलन दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया। इसके कारण अधिकांश विकसित दुनिया में "विकास संबंधी विकलांग" व्यक्तियों के लिए जबरन नसबंदी और विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया गया और बाद में हिटलर द्वारा प्रलय के दौरान बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की सामूहिक हत्या के लिए इस तर्क के रूप में इस्तेमाल किया गया। यूजीनिक्स आंदोलन को बाद में गंभीर रूप से त्रुटि पूर्ण और

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

मानव अधिकारों का उल्लंघन माना गया और 20वीं शताब्दी के मध्य तक अधिकांश विकसित दुनिया जबरन नसबंदी और विवाह पर प्रतिबंध की प्रथा को बंद कर दिया गया। संयुक्त राज्य अमेरिका में, 1960 के दशक में विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों के अलगाव और इन संस्थानों की स्थितियों पर शिक्षाविदों या नीति-निर्माताओं द्वारा व्यापक रूप से सवाल नहीं उठाए गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी, जिनकी बहन रोज़मेरी बौद्धिक रूप से विकलांग थी और एक संस्थान में थी, ने 1961 में मानसिक मंदता पर राष्ट्रपति पैनल बनाया। रॉबर्ट एफ कैनेडी की टीवी क्रू के साथ विलोब्रुक स्टेट स्कूल की यात्रा, जिसे उन्होंने 1k रूप में वर्णित किया। "स्नेक पिट" और क्रिस्मस के अगले वर्ष पुर्गेटरी में प्रकाशन, एक फोटो निबंध जिसमें संस्थानों की गुप्त रूप से ली गई तस्वीरें शामिल थी, ने सार्वजनिक संस्थानों में अमानवीय स्थितियों पर प्रकाश डाला। प्रारंभिक प्रयास संस्था सुधार पर केंद्रित थी 1960 दशक के अंत तक इनमें बदलाव आना शुरू हो गया। सामान्यीकरण आंदोलन ने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज़ोर पकड़ना शुरू कर दिया। अमेरिका में वुल्फ वोलफेंसबर्गर के मौलिक कार्य "द ओरिजन एंड नेचर ऑफ आवर इंस्टीट्यूशनल मॉडल्स" का प्रकाशन बहुत प्रभावशाली था। इस पुस्तक में कहा गया कि समाज विकलांग लोगों को पथभ्रष्ट, अमानवीय और दान के बोझ के रूप में बताता है, जिसके परिणामस्वरुप उस "पथभ्रष्ट" भूमिका को अपनाया जाता है। वोलफेंसबर्गर ने कहा है कि इस अमानवीयकरण और इसके परिणामस्वरुप अलग-अलग संस्थानों में उन संभावित उत्पादक योगदानों को नजर अंदाज कर दिया जाए जो सभी व्यक्ति समाज में कर सकते हैं। उन्होंने नीति और व्यवहार में बदलाव पर जोर दिया, जिसमें "मंदबुद्धि व्यक्तियों" की मानवीय ज़रूरतों को पहचाना गया और मानव अधिकार प्रदान किए गए। 1960 के दशक से लेकर वर्तमान तक, अधिकांश अमेरिकी राज्य अलग-अलग संस्थानों को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ते रहे। वोलफेंसबर्गर, गुन्नार और रोज़मेरी डायबवाड सहित अन्य लोगों के काम के साथ राज्य संस्थानों के भीतर भयावह स्थितियों के बारे में कई निंदनीय खुलासों ने सार्वजनिक आक्रोश पैदा किया जिसके कारण सेवाएं प्रदान करने के तरीकों में बदलाव आया। 1970 के दशक के मध्य तक, अधिकांश सरकारें गैर- संस्थागतीकरण के लिए प्रतिबद्ध थी, और सामान्यीकरण के सिद्धांतों के अनुरूप, सामान्य समुदाय में व्यक्तियों ने थोक आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी थी। अधिकांश देशों में यह अनिवार्य रूप से 1990 के दशक के अंत तक पूरा हो गया था, हालांकि मैसायुसेट्स सहित कुछ राज्यों में इन

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

संस्थानों के बंद करने पर बहस जारी है। विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्ति समाज में पूरी तरह से एकीकृत नहीं होते हैं। व्यक्ति केंद्रित योजना और व्यक्ति केंद्रित दृष्टिकोण को सामाजिक रूप से अवमूल्यन किए गए व्यक्तियों जैसे कि विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों के बहिष्कार को संबोधित करने के रूप में देखा जाता है।

विकासात्मक विकलांगता से संबंधित समस्याएं

1.**शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं:**- विकास संबंधी विकलांगताओं से जुड़े कई शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी कारक हैं-जिसमें डाउन सिंड्रोम वाले लोगों में खराब हृदय, गंभीर संचार कठिनाई वाले लोगों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को स्पष्ट करने में कठिनाई, पर्याप्त समर्थन आदि शमिल है। विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्ति शिक्षा के बिना अपने खराब स्वास्थ्य को पहचान नहीं पाते हैं। जिसमें मिर्गी, संवेदी समस्याएं, मोटापा और खराब दांत स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व अधिक है। एक समूह के रूप में विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों की जीवन प्रत्याशा औसत से 20 वर्ष कम होने का अनुमान है, हालांकि इसमें सुधार हो रहा है। लोगों को स्वस्थ और अधिक पूर्ण जीवन जीने में मदद करने के लिए समाज अपनी अनुकूल चिकित्सा, प्रौद्योगिकियों और अन्य तरीकों के उन्नत उपकरण से विकास कर रहा है।

2.**मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं:** - सामान्य व्यक्तियों की तुलना में विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और मनोरोग संबंधी बीमारियां अधिक होने की संभावना होती है। जिसमें वह बच्चे भी शामिल होते हैं जिन्हें देखभाल करने वालों के समर्थन की आवश्यकता होती है। इसमें कुछ कारकों को ज़िम्मेदार ठहराया जाता है जो निम्नलिखित हैं-

1. जैविक कारक (जैसे मस्तिष्क चोट, मिर्गी, नशीली दवा, मादक पदार्थों का अधिकाधिक सेवन) ।

2. विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों पर लगाए गए सामाजिक और विकासात्मक प्रतिबंध (जैसे शिक्षा की कमी, गरीबी, सीमित रोजगार के अवसर, सामाजिक समायोजन के सीमित अवसर आदि)।

3. उनके पूरे जीवन काल में घटनाओं (जैसे प्रियजनों द्वारा त्याग, दुर्व्यवहार, धमकाने और उत्पीड़न) का सामना करने की उच्च संभावना होती है।

4. विकास संबंधी कारक (जैसे सामाजिक मानदंडों और उचित व्यवहार के समझ की कमी, आस-पास के सामान्य एवं विकलांग बच्चों के बीच में तुलना करना, उनकी कमियों का आकलन करके उन्हें नीचा दिखाना आदि)।

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

5. सभी संघीय या राज्य-वित्त पोषित आवासों में विकास संबंधी विकलांगता वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए किसी न किसी प्रकार की व्यवहार सम्बन्धित देखभाल की आवश्यकता होती है। इस जानकारी के साथ मनोवैज्ञानिक निदान सामान्य व्यक्तियों की तुलना में अधिक आसानी से दिए जाते हैं जिनकी देखभाल लगातार कम होती है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में उचित उपचार और दवा में, कठिनाइयों के कारण ये समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं।

3. दुर्व्यवहार और असुरक्षा की समस्याः- विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण समस्या है। अधिकांश न्याय क्षेत्रों में उन्हें कमज़ोर लोगों के रूप में माना जाता है। सामान्य प्रकार के दुर्व्यवहारों में निम्नलिखित व्यवहार शामिल हैं-

1. **शारीरिक शोषणः**- सामाजिक परिवेश में समायोजित ना हो पाना, पूर्ण रुप से खाना ना देना, मारना, धक्का देना आदि।

2. **निष्क्रिय उपेक्षाः**- पर्याप्त भोजन और आश्रय प्रदान करने में देखभालकर्त्ता की विफलता।

3. **यौन शोषणः**- सिकेरा, हॉउलिन और हॉलिंस के अनुसार "यौन शोषण मानसिक बीमारी और व्यवहार संबंधी समस्याओं की बढ़ती दर से जुड़ा था, जिसमें अभिघातज के बाद के तनाव के लक्षण भी शामिल थे। दुर्व्यवहार के प्रति मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाएं सामान्य व्यक्तियों में देखी गई प्रतिक्रियाओं के समान थी"।

4. **प्रणालीगत दुरुपयोगः**- अनुमानित समर्थन आवश्यकताओं के कारण उचित सेवा तक पहुंच से इनकार।

5. **कानूनी या नागरिक दुरुपयोगः**- सेवाओं तक सीमित पहुंच।

6. **वित्तीय दुरूपयोगः**- अनावश्यक शुल्क वसूलना, पेंशन, वेतन आदि पर रोक लगाना।

7. **मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक दुर्व्यवहारः**- मौखिक दुर्व्यवहार, शर्मिंदगी और अपमान। शिक्षा की कमी, आत्म-सम्मान और आत्म-कौशल की कमी, सामाजिक मानदंडों की समझ की कमी और संचार कठिनाइयाँ इन लोगों के बीच दुर्व्यवहार की उच्च घटनाओं के लिए मजबूत योगदान देने वाले कारक हैं।

विकासात्मक विकलांगता के कारणः- ऐसा माना जाता है कि अधिकांश विकास संबंधी विकलांगताएं कारकों के जटिल मिश्रण के कारण होती हैं। इन कारकों में अनुवांशिकी शामिल है; गर्भावस्था के दौरान माता-पिता का स्वास्थ्य और व्यवहार (जैसे धूम्रपान और शराब पीना) जन्म के दौरान जटिलताएं।

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

ये संक्रमण माँ को गर्भावस्था के दौरान हो सकता है या बच्चे को जीवन के बहुत पहले भी हो सकता है। माँ या बच्चे को लेड जैसे पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के उच्च स्तर के संपर्क में आने से कुछ विकास संबंधी विकलांगताओं के लिए जैसे कि भ्रूण अल्कोहल सिंड्रोम, जो गर्भावस्था के दौरान शराब पीने से होता है आदि कारक निम्नलिखित हैं।

1. शिशुओं में कम से कम 25% श्रवण हानि गर्भावस्था के दौरान मातृ संक्रमण के कारण होती है, जैसे कि साइटोमेगालोवायरस (सीएमवी) संक्रमण; जन्म के बाद जटिलताए और सिर में चोट।

2. अनुपचारित नवजात पीलिया (जन्म के बाद पहले कुछ दिनों के दौरान रक्त में बिलीरुबिन का उच्च स्तर) एक प्रकार की मस्तिष्क क्षति का कारण बन सकता है जिसे कर्निकटरस कहा जाता है।

3. बौद्धिक विकलांगता के कुछ सामान्य कारणों में भ्रूण अल्कोहल सिंड्रोम विकार शामिल है; अनुवांशिक और गुणसूत्र स्थितियां, जैसे डाउन सिंड्रोम और फ्रैजाइल एक्स सिंड्रोम और गर्भावस्था के दौरान कुछ संक्रमण।

4. जन्म के समय कम वजन, समय से पहले जन्म, एकाधिक जन्म और गर्भावस्था के दौरान संक्रमण कई विकास संबंधी विकलांगताओं के बढ़ते जोखिम से जुड़े हैं।

5. जिन बच्चों के भाई-बहनों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार होता है, उनमें भी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार होने का खतरा अधिक होता है।

विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ:- विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को अक्सर अपने दैनिक जीवन में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मुख्य चुनौतियों में से एक कलंक और भेदभाव है, जिसके परिणामस्वरुप समाज से बहिष्कार हो सकता है, शिक्षा और रोजगार के अवसर सीमित हो सकते हैं, इससे उनके आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, इन विकलांगताओं के बारे में समझ और जागरूकता की कमी के कारण, विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को उचित समर्थन और संसाधन खोजने में भी संघर्ष करना पड़ सकता है, इससे अलगाव और हताशा की भावना पैदा हो सकती है।

समाज के लिए विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली इन चुनौतियों को पहचानना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है। जागरूकता और स्वीकार्यता बढ़ने से इन व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी और सहायक वातावरण बन सकता है। एक ऐसे समाज को बढ़ावा देकर जो सभी व्यक्तियों को उनकी क्षमताओं की परवाह किए बिना स्वीकार और

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

समायोजित कर रहा है, हम विकासात्मक विकलांगता वाले लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

विकास संबंधी विकलांग व्यक्तियों के लिए परिवार और समुदाय जैसी उचित सहायता प्रणालियों तक पहुंच होना भी महत्वपूर्ण है। ये सहायता प्रणालियाँ अपनेपन और समझ की भावना प्रदान कर सकती हैं, जिससे विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को पूर्ण जीवन जीने में मदद मिल सकती है।

विकासात्मक विकलांगताओं को समझनाः- विकासात्मक विकलांगताऐं आजीवन स्थितियों का एक समूह है जो किसी व्यक्ति की संज्ञानात्मक, शारीरिक और भावनात्मक क्षमताओं को प्रभावित करती है। ये विकलांगताएं किसी व्यक्ति के दैनिक जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती हैं, जिससे सीखना, संवाद करना और दैनिक कार्यों को स्वतंत्र रूप से करना मुश्किल हो जाता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 3-17 वर्ष की आयु के लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में एक या अधिक विकास संबंधी विकलांगताएं होती हैं। ये विकलांगताएं हल्के से गंभीर तक हो सकती हैं और इनमें बौद्धिक विकलांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और सेरेब्रल पाल्सी शामिल हो सकते हैं।

विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों को अपने दैनिक जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें संचार, सामाजिक संपर्क आदि शामिल है। इन विकलांगताओं का उनके परिवारों पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विकासात्मक विकलांगता वाले व्यक्तियों और उनके परिवारों को उचित सहायता और संसाधन प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार की विकासात्मक विकलांगताओं को समझना महत्वपूर्ण है।

विभिन्न प्रकार की विकासात्मक विकलांगताएं और उनका प्रबंधनः- यू0एस0 (सी0डी0सी0) के अनुसार, 3-17 वर्ष की आयु के 17% बच्चों में कम से कम एक प्रकार की विकास संबंधी विकलांगता है, जो उनके बढ़ने और बातचीत करने के तरीके को प्रभावित करती है। कुछ विकासात्मक विकलांगताएँ और उनका प्रबंधन निम्न प्रकार है-

1. **स्पाइना बिफिडाः**- स्पाइना बिफिडा एक न्यूरल-ट्यूब दोष है जिसके कारण स्पाइनल कॉलम गलत तरीके से बनता है और जिसकी वजह से रीढ़ की हड्डी में खाली जगह रह जाती है। इसमें तांत्रिका क्षति की अलग-अलग मात्रा हो सकती है, जिससे मोटर फंक्शन में हानि और अन्य जटिलताएँ पैदा हो सकती हैं।

इस क्षति के आधार पर लक्षण भिन्न-भिन्न होते हैं जिसमें लकवाग्रस्त अंग सामान्य क्षति है। कुछ

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

लोगों के मस्तिष्क में द्रव निर्माण से संबंधित समस्याएं भी हो सकती हैं। जिसके परिणामस्वरुप गंभीरता के आधार पर विकासात्मक देरी और सीखने की अक्षमता हो सकती है। स्पाइना बिफिडा का उपचार व्यक्ति की स्थिति के प्रकार पर निर्भर करता है। यदि रीढ़ की हड्डी पर बहुत अधिक दबाव है या यदि कोई हिस्सा खुला है जिसे सुरक्षा की आवश्यकता है ताकि आगे चोट ना लगे तो सर्जरी आवश्यक हो सकती है। अन्यथा इसके लिए उपचार ऐंठन के कारण होने वाले दर्द को कम करते हुए गतिशीलता में सुधार करने के लिए भौतिक-चिकित्सा सत्र लेने पड़ते हैं।

2. **डाउन सिंड्रोमः**- डाउन सिंड्रोम एक अनुवांशिक विकार है जो क्रोमोसोम 21 की एक अतिरिक्त प्रतिलिपि की उपस्थिति के कारण होता है। यह सबसे सामान्य क्रोमोसोमल विकार है, और यह विभिन्न शारीरिक और संज्ञानात्मक चुनौतियों का कारण भी बन सकता है।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों से पता चलता है कि दुनिया भर में हर साल 3000 से 5000 बच्चे इस विकार के साथ पैदा होते हैं। डाउन सिंड्रोम वाले लोगों में आमतौर पर चेहरे की विशिष्ट विशेषताएँ होती हैं, जैसे की सपाट चेहरा और आँखों का ऊपर की ओर झुका होना। उनमें विकास संबंधी देरी, बौद्धिक अक्षमताएं और मोटर कौशल में कठिनाई भी हो सकती हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्ति सही समर्थन के साथ पूर्ण और सार्थक जीवन जी सकते हैं।

3. **ऑटिज्मः**- ऑटिज्म मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करने वाली एक जटिल विकलांगता है, जो सामाजिक संपर्क, मौखिक और गैर-मौखिक संचार और दोहराव वाले व्यवहार में कठिनाइयों की विशेषता है। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकलांगता वाले व्यक्ति अधिक बुद्धिमान हो सकते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स का कहना है कि ऑटिज्म से पीड़ित 59.1 प्रतिशत व्यक्तियों का आई0 क्यू0 औसत या उच्च है, भले ही उन्हें दोस्त बनाने, रिश्ते स्थापित करने, नए कौशल सीखने और बदलाव से निपटने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऑटिज्म के विभिन्न प्रकार होते हैं, हल्के एस्पर्जर सिंड्रोम से लेकर गंभीर रूप तक, जिसमें मानसिक मंदता भी शामिल है।

ऑटिस्टिक बच्चों को दूसरों के साथ संवाद करने और बातचीत करने में कठिनाई हो सकती है। बातचीत के लिए सामाजिक संकेतों या नियमों की समझ की कमी के कारण वे सामाजिक रूप से अयोग्य या अरक्षित लग सकते हैं। भाषण देने में देरी हो सकती है ये हकलाकर बोलते हैं, और आंखों का संपर्क न्यूनतम हो सकता है। कई ऑटिस्टिक बच्चे समूह गतिविधियों में शामिल होने या दूसरों के साथ

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

अनुभव साझा करने के बजाय अकेले खेलना, रहना पसंद करते हैं। ऐसे ऑटिस्टिक बच्चों के लिए व्यवहार, संचार, भाषण और शैक्षिक-चिकित्सा आदि महत्वपूर्ण उपकरण हो सकते हैं।

4. सेरेब्रल पाल्सीः- सेरेब्रल पाल्सी शारीरिक गति, माँसपेशियों की टोन और मोटर कौशल में हानि का कारण बनती है। यह गर्भ में या प्रारंभिक बचपन के दौरान विकसित होती है, आमतौर पर यह 2 साल की उम्र से पहले बच्चे में विकसित होती है। अनुमान बताते हैं कि सेरेब्रल पाल्सी की व्यापकता 1,000 प्रसवों में लगभग 1 प्रतिशत से 4 प्रतिशत है।

सेरेब्रल पाल्सी के तीन मुख्य प्रकार हैं-

स्पास्टिक, एथेटॉयड तथा एटैक्सिक।

इसमें निम्न लक्षण देखे जा सकते हैं जैसे-

1. माँसपेशियों में जकड़न या कमज़ोरी
2. सख्त जोड़
3. संतुलन और समन्वय की समस्या
4. भोजन निगलने या चबाने में कठिनाई
5. खराब संतुलन के कारण बार-बार गिरना
6. अस्पष्ट वाणी (डीसरथ्रिया) तथा
7. भोजन निकालने की क्षमता (डिस्फेगिया) के कारण लार निकलना आदि।

सेरेब्रल पाल्सी के इलाज में विभिन्न प्रकार की थेरेपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिनमें शारीरिक, व्यावसायिक, भाषण, भाषा और मनोरंजक थेरेपी शामिल है।

5. **बौद्धिक विकलांगताः**- जब सीखने, तर्क करने और समस्याओं को हल करने की बात आती है तो बौद्धिक विकलांगता किसी व्यक्ति की सुविधाओं को प्रभावित करती हैं। यह मस्तिष्क में समस्याओं के कारण होती हैं, और किसी भी उम्र में किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। बौद्धिक विकलांगता आमतौर पर जन्म के समय मौजूद होती हैं और 18 साल की उम्र में भी दिखाई दे सकती हैं, जिससे बच्चें के भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर असर पड़ता है। "बौद्धिक विकलांगता" शब्द का उपयोग अक्सर "विकासात्मक विकलांगता" के साथ किया जाता है, मगर यह दोनों ही अलग है पहला दूसरे समूह का हिस्सा है।

6. **व्यवहार संबंधी विकलांगताएँ:**- व्यवहार संबंधी विकलांगताएँ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियां हैं जो बच्चे की सामाजिक रूप से स्वीकार्य तरीकों से व्यवहार करने की क्षमता को प्रभावित करती है। अक्सर अनुवांशिकी और पर्यावरण के संयोजन के कारण होने वाली इन विकलांगताओं का निदान बचपन और किशोरावस्था के समय किया जाता है। व्यवहार संबंधी विकलांगताओं में निम्न विकलांगताएँ शामिल होती हैं जैसे-

1. ध्यान अभाव सक्रियता विकलांगता (ADHD)

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

2. विपक्षी उद्दंड विकलांगता (ODD)

3. आचरण विकलांगता

4. अभिघातजन्य तनाव विकलांगता (पीटीएसडी)

5. चिंता संबंधी विकलांगताएं जैसे जुनूनी-बाध्यकारी विकलांगता (ओसीडी)

बच्चों में व्यवहार संबंधी समस्याएं बचपन के दौरान आघात या दुर्व्यवहार और आक्रामकता या आवेग की विरासत में मिली प्रवृत्ति के कारण हो सकती है। ये चुनौतीपूर्ण वातावरण से भी उत्पन्न हो सकती है। जैसे कि उन लोगों के साथ रहना जिसके पास पालन-पोषण की कमी है या मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या है।

7. **भ्रूण अल्कोहल सिंड्रोम (FAS)**:- एफ0ए0एस0 विकलांगताओं का एक स्पेक्ट्रम है। जो शरीर के प्रत्येक अंग प्रणाली को प्रभावित कर सकता है। ये गर्भ में शराब के सेवन के कारण होता है और बच्चे के मस्तिष्क या अन्य अंगों के विकास में बाधा डालता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अमेरिका में 2% से 5% बच्चों में प्रसवपूर्व शराब के सेवन के कारण FAS होता है।

FAS का प्रभाव बच्चे पर हल्के से गंभीर तक पड़ सकता है, FAS के सामान्य लक्षणों में शामिल है-

1. छोटे सिर का आकार

2. किसी की उम्र के हिसाब से औसत से कम ऊंचाई

3. माँसपेशी टोन के साथ समस्याएं

4. सीखने की अक्षमता और बौद्धिक हानि।

हालांकि एफ0ए0एस0 का कोई इलाज नहीं है फिर भी विशेष शिक्षा कार्यक्रम इससे प्रभावित बच्चों को बड़े होने पर उनकी स्थितियों से निपटने में मदद कर सकते हैं।

निष्कर्षतः विकास संबंधी विकलांगताओं का व्यक्तियों और समग्र रूप से समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसकी व्यापकता के बावजूद, इन विकलांगताओं को लेकर अभी भी समझ और जागरूकता की कमी है। हालांकि शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से, हम विकास संबंधी विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी और सहायक समाज बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इन विकलांगताओं वाले व्यक्तियों को सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने के लिए चिकित्सा, दवा और शिक्षा सहित बहु-विषयक दृष्टिकोण रखना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त परिवार और समुदाय का समर्थन उनके उपचार और समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें समाज में उनके समावेश और स्वीकार्यता को बढ़ावा देने के लिए विकास संबंधी विकलांगता वाले व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे कलंक और भेदभाव को स्वीकार करना चाहिए और उनका समाधान करना चाहिए। हम सभी अपने समुदायों में जागरूकता

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

और समर्थन फैलाकर इसमें योगदान दे सकते हैं। कुल मिलाकर, इन विकलांगताओ वाले व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी और सहायक वातावरण बनाने के लिए विकासात्मक विकलांगता और उनके प्रभाव को समझना आवश्यक है। आइए हम सब एक समान और स्वीकार्य समाज की दिशा में मिलकर काम करें।

संदर्भ

1. *The British Journal of Psychiatry. कैंब्रिज कोर.* (2019/10/23). को पुनः प्राप्त.
2. http://www.cdc.gov
3. http://www.twinkl.co.in
4. DSM. (1994). *मानसिक विकारों का निदान और अध्ययन द स्तावेज, चौथा संस्करण संशोधन, पाठ, अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन* p. IV. APA.
5. https/. http://www.freemalaysiatoday.com
6. यू, अहरंग; किम, मोनिक, रॉस, मेलिसा एम; वॉन-ली, एंजेला; बटलर, बेवर्ली; डॉसरेइस, सुसान.(2018)। "जटिल विकासात्मक और मा नसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं वाले यु वाओं के उपचार में देखभाल करने वालों को शामिल करना". *Journal of Behavioral Health Services and Research*-ISSN 1094-3412.
7. ब्लैक, एडविन. (2012)। *कमजोरों के खिलाफ युद्ध: यूजीनिक्स और एक मास्टर रेस बनाने के लिए अमेरिका का अभियान*। डायलॉग प्रेस। आएए सबीएन 978-0914153290.
8. किम, इयून युंग; पार्क, जिउंग; किम, बोंगसेओग। "बचपन में दुर्व्यवहार का प्रकार और वयस्क परिवीक्षार्थियों में आपराधिक पुर्न वृत्ति का जोखिम: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन"। BMC मनोरोग, *16*(1), 294. DIO: 10.1186/12888-016-1001-8.
9. 'भाग 1: 1950 के दशक तक का प्राचीन युग'। समय में समा नताएंर: विकासात्मक विकलांगताओं का इतिहास. (28/1/2023) *को पुन: प्राप्त.*
10. 'द रीअवेकनिंग 1950–80'। समय में समानताएं विकासात्मक विकलां गताओं का इतिहास. (28/01/2023) *को पुन: प्राप्त.*
11. 'स्वास्थ्य और बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्ति '। बौद्धिक विकलांगता के लिए एन0एस0डब ल्यू0 परिषद. (2006/03/03)

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

को मूल से संग्रहित। 2006.02.11 को पुनः प्राप्त।

12. गुन्नार और रोजमेरी डायबवाड. (2007/10/25) *को मूल से संग्रहित.*
13. 'विकलांग व्यक्तियों के लिए सामुदायिक एकीकरण का महत्व'। यूनाइटेड डिसेबिलिटीज सर्विसेज फाऊंडेशन. (02/03/2021)-21.09.2022 *को मूल से संग्रहित.*
14. 'बौद्धिक विकलांगता वाले वयस्कों के लिए स्वास्थ्य दिशा निर्देश'। सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन Down syndrome संगठन. (2009/05/04) *को मूल से संग्रहित 2006.02.11 को पुनः प्राप्त.*
15. पोर्टर, रॉय. (1987)। *पागलखानो, पागल डॉक्टरो और पागलों का एक सामाजिक इतिहास (तीसरा संस्करण)*। ISBN-9780752437309.
16. स्कूल में विकास संबंधी विलंब के प्रकार. (2023/12/28). *पुनः प्राप्त.* nyulangone.org
17. ब्लैट, बर्टन। *पेर्गेटरी में क्रिसमस.* (2010/07/11) को मूल से संग्रहित। 2010.06.29 को पुन: प्राप्त।
18. चौपलिन, ई; गिलवरी, सी; त्साकनिकोस, ई. (2011)। *बौद्धिक विकलांगता और सह-रुग्ण मनोविकृति वाले वयस्कों में मनोरंजक पदार्थ के उपयोग के पैटर्न*। विकासात्मक विकलांगताओं में अनुसंधान। EISSN 1873-3379. ISSN 0891-4222.
19. सीखने की अक्षमताएं: मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं। *माइंड (UK National Association mental health).*
20. मार्टोरेल, ए.य त्साकनिकोस ई. (2008)। "बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों में दर्दनाक अनुभव और जीवन की घटनाएं" पीडीएफ। मनोचिकित्सा में वर्तमान राय। 21 (5), *445–448*. https://doi.org/10.1097/YCO-ObO13e328305e60e, PubMed: 18650684. S2CID 16804572.
21. रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र. (2013)। *विकास विकलांगता*। 18.10.2013 को पुनः प्राप्त।
22. "रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र" (2013)। विकास विकलांगता। 18.10.2013 को पुनः प्राप्त।
23. सीखने की अक्षमता वाले लोगों में यौन शोषण से जुड़ी मनोवैज्ञानिक अशांति। मामला नियंत्र

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 04, 208-221
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7757

ण अध्ययन/सिकेरा, एच; हाउलिन, पी; होलिंस, एस. इन: ब्रिटिश जनरल ऑफ सायकेट्री, वॉल्यूम, *183*, संख्या नंबर 11.2003 pg no. 451 से 456.

24. सैली-
एन कपूर। *सीखने में (बौद्धिक अक्षमताओं) वाले वयस्कों में मानसिक विकारों का वर्गीकरण और मूल्यांकन*। सेंट जॉर्ज मूल से. (2009/04/15) को संग्रहित। 2006.02.11 को पुनः प्राप्त।
25. वोल्फेंसबर्गर, वोल्फ. (01/10/1969)। *हमारे संस्थागत मॉडल की उत्पत्ति और प्रकृति*। मानसिक रूप से मंद लोगों के लिए आवासीय सेवाओं में बदलते पैटर्न। मानसिक मंदता पर राष्ट्रपति की समिति, वांशिगटन, डीसी.
26. कुमारन. (2023). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अंतर्दृष्टि एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा. *Shodh Sari-An International Multidisciplinary Journal*, *02*(03), 106–113. https://doi.org/10.59231/sari7594
27. शर्माअभिषेक, & शर्माअन्नू. (2023). समावेशी वर्ग में शिक्षा समता और समानता भीमराव रामजी अंबेडकर का दृष्टिकोण. *Shodh Sari-An International Multidisciplinary Journal*, *02*(03), 350–357. https://doi.org/10.59231/SARI7611

Received on: May 09, 2024
Accepted on: June 20, 2024
Published on: Oct 01, 2024

विकासात्मक विकलांगताओं को समझना और उनका प्रबंधन करना © 2024 by शाईस्ता बेगम is licensed under CC BY-NC-ND 4.0